मानवविज्ञान (एन्थ्रोपोलोजी)
कक्षा—12

इस विषय की लिखित परीक्षा में एक प्रश्न—पत्र 70 अंकों का तीन घण्टे का होंगा। इसके अतिरिक्त 30 अंकों की एक प्रयोगात्मक परीक्षा भी होंगी। उत्तीर्ण होने के लिए परीक्षार्थी को लिखित में 23 अंक, प्रयोगात्मक में 10 अंक तथा योग में 33 अंक न्यूनतम प्राप्त करना आवश्यक होगा।

अध्ययन का उद्देश्य——

1—समाज के विकास, उनके आधारभूत कारकों, विस्तार तथा विविधता की जानकारी प्राप्त करना तथा उसके भावरूप के बारे में निष्कर्ष निकालना।

2—प्राकृतिक पर्यावरण तथा मानव के मध्य अन्तःक्रिया को भारत तथा विश्व के सन्दर्भ में सामाजिक विकास पर पड़ने वाले उसके प्रभाव को समझना, विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालने के लिए सक्षम बनाना।

3—समाज की समसामयिक समस्याओं के बारे में जानकारी करके निर्णय लेने की योग्यता प्राप्त करना।

4—मानव विकास और उसकी उपलब्धियाँ तथा विफलताओं को सजीव एवं प्रेरणादायक रूप में प्रस्तुत कर समाज के समाजवादी स्वरूप की स्थापना करना।

5—विश्व के पर्यावरणीय घटकों, विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों तथा उसके उपयोग की जानकारी प्राप्त करना तथा भविष्य के बारे में निष्कर्ष निकालना।

6—मानवविज्ञान नामक विषय के विकास तथा 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में हुये विभिन्न अध्ययनों से बनी मानवविज्ञान की रूपरेखा का ज्ञान विद्यार्थियों को देना।

7—मानवविज्ञान की विषय—वस्तु, विस्तार तथा विभिन्न शाखाओं का ज्ञान सरल तथा बोधगम्य भाषा के माध्यम से विद्यार्थियों को प्राप्त कराना।

8—मानवविज्ञान एक लोकप्रिय तथा उपयोगी विषय है जो कि मानव जीवन के शारीरिक तथा सामाजिक सांस्कृतिक दोनों ही पक्षों के विकास पर प्रकाश डालता है। मानव जीवन का कोई भी पक्ष इससे अछूता नहीं है। सभी पक्षों के तारतम्य का एकीकृत चित्र प्रस्तुत करना।

9—मानव के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन की समस्याओं को समझाने तथा सुलझाने की क्षमता का सृजन करना।

10—सभ्यता की मुख्य धारा से दूर बसे सरल जनजाति समाजों की विशिष्टता, विविधता एवं उनकी आधुनिक समस्याओं का ज्ञान देना जिससे उन्हें राष्ट्रीय जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने के सफल प्रयास किये जा सके।

खण्ड—क — 35 : अंक
(सामाजिक सांस्कृतिक मानवविज्ञान)

		अंक भार
इकाई—1	मानवविज्ञान की उपयोगिता, निम्नलिखित की मानव वैज्ञानिक परिभाषायें——संस्कृति, समाज एवं समुदाय, समिति, संस्था, संस्कृति एवं सभ्यता, जाति एवं वर्ग, सांस्कृतिक—सापेक्षवाद।	10
इकाई—2	जादू, धर्म एवं विज्ञान की अवधारणा तथा उनमें समानता एवं भिन्नताएं।	06
इकाई—3	धर्म की उत्पत्ति के सिद्धान्त, आत्मावाद तथा जीवित सत्तावाद, टोटमवाद एवं टैबू। 08	
इकाई—4	जनजातीय अर्थव्यवस्था, विशेषतायें एवं उनके प्रकार, विनिमय एवं बाजार।	06
इकाई—5	राज्य विहीन समाज एवं उनकी विशेषतायें।	05

सन्दर्भित पुस्तकें——

1—डी0 एन0 मजूमदार एवं टी0 एन0 मदान——सामाजिक मानव शास्त्र :एक परिचय।

2—उमाशंकर मिश्र——सामाजिक—सांस्कृतिक मानव शास्त्र।

3—उमाशंकर मिश्र——नृतत्व चिन्तन (पलका प्रकाशन)।

4—विजय शंकर उपाध्याय एवं विजय प्रकाश शर्मा——भारत की जनजातीय संस्कृति (मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी)।

5—शैपिरो एवं शैपिरो——मानव संस्कृति एवं समाज (Man Culture and Society)।

6—एम्बर एवं एम्बर——मानव विज्ञान (हिन्दी अनुवाद) यू0बी0सी0 सर्विसेज, दिल्ली।

7—गोपालशरण एवं आर0 पी0 श्रीवास्तव——मानव विज्ञान एवं समाजशास्त्र (इंगलिश)। न्यू रॉयल बुक कम्पनी, लखनऊ।

8—विजय शंकर उपाध्याय एवं गया पाण्डेय——सामाजिक सांस्कृतिक मानव शास्त्र, क्राउन पब्लिकेशन्स, रांची।

9—विजय शंकर उपाध्याय एवं गया पाण्डेय——जनजातीय विकास (मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी)।

10—विनय कुमार श्रीवास्तव——सामाजिक सांस्कृतिक मानव शास्त्र।

11—प्रो0 ए0आर0एन0 श्रीवास्तव —सामाजिक सांस्कृतिक मानव शास्त्र।

12—डा0 नीरजा सिंह — परिचयात्मक मानव विज्ञान।

13—ए0आर0एन0 श्रीवास्तव—जनजातीय विकास के साठ वर्ष, प्रकाषक— 42/7 जवाहरलाल नेहरूरोड़,प्रयागराज।

खण्ड—ख **35 : अंक**

(शारीरिक मानवविज्ञान)

		अंक भार
इकाई—1	शारीरिक मानवविज्ञान का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं अन्य प्रकृति विज्ञानों से सम्बन्ध।	4
इकाई—2	जैविक उद्विकास के सिद्धान्त, लैमार्कवाद, डार्विनवाद तथा संश्लेषणात्मक सिद्धान्त।	6
इकाई—3	प्राणि जगत में मानव का स्थान और प्राइमेट गण की उद्विकासीय विशेषतायें।	5
इकाई—4	जीवाश्मीकरण तथा मानव के जीवाश्म पूर्वज—आस्ट्रेलोपिथेकस, होमोइरेक्ट्स, होमोनियंडरथल तथा होमोसेपियन्स	6
इकाई—5	कोशिका संरचना एवं कोशिका विभाजन।	4
इकाई—6	मेंडल के आनुवंशिकीय नियम——प्रभाविता, अप्रभाविता एवं पृथक्करण का नियम। अलिंग सूत्रीय एवं लिंग सूत्रीय आनुवंशिकता, ए,बी,ओ रक्त समूह, वर्णान्धता एवं हीमोफीलिया।	5
इकाई—7	प्रजाति अवधारणा एवं विशेषतायें, प्रजातीय वर्गीकरण के आधार, विश्व की तीन प्रमुख मानव प्रजातियाँ, उनकी शारीरिक विशेषतायें एवं भौगोलिक वितरण।	5

सन्दर्भित पुस्तकें——

1—बी0 आर0 के0 शुक्ला एवं सुधा रस्तोगी——मानव उद्विकास (भारत बुक सेण्टर)।

2—सुधा रस्तोगी एवं बी0 आर0 के0 शुक्ला——मानव आनुवंशिकी एवं प्रजातीय विविधता (भारत बुक सेण्टर)।

3—पी0 दास शर्मा——Human Evolution(English), रांची—झारखण्ड।

4—आनुवांशिक मान विज्ञान—उदय प्रताप सिंह।

5—यू0 पी0 सिंह——जैविक मानवविज्ञान (लखनऊ प्रकाशन)।

6—रिपुदमन सिंह——शारीरिक मानवविज्ञान।

(प्रायोगिक मानवविज्ञान) **पूर्णांक 30**

इकाई–1 किसी सामाजिक विषय पर साक्षात्कार अनुसूची (इन्टरव्यू शेड्यूल) बनाना एवं पाँच व्यक्तियों का साक्षात्कार लेकर उस पर एक संक्षिप्त प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार करना। 10

इकाई–2 किसी सामाजिक विषय पर प्रश्नावली बनाना और पाँच व्यक्तियों से भरवाकर संक्षिप्त प्रतिवेदन (रिपोर्ट) तैयार करना। 10

परीक्षा में इकाई 3 या 4 में कोई एक करना होगा।

इकाई–3 प्रायोगिक रिकार्ड (लैब बुक)–– 5

इकाई 1 और 2 विद्यार्थियों को सिखाये जायेंगे तथा उस पर आधारित लैब बुक होगी।

इकाई–4 मौखिक परीक्षा (Viva-voce) 5

कुल अंक . . 30

निर्देश–इकाई 1 में वर्णित कपाल एवं उपांग अस्थियों को चार्ट से देखकर रेखांकित एवं चित्रित करना।

सन्दर्भ पुस्तकें––

(1) सामाजिक अनुसंधान एवं सर्वेक्षण––एस0 आर0 बाजपेई

(2) प्रयोगात्मक मानव विज्ञान– डा0 विभा अग्निहोत्री।

मानवविज्ञान

अधिकतम अंक : 30 | न्यूनतम उत्तीर्णांक : 10 | समय : 03 घण्टा

वाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन अंक––15	निर्धारित अंक
1–कपाल एवं उपांग अस्थियों का रेखांकित एवं चिन्हित करना––	06 अंक
(सही चित्रण हेतु 3 अंक तथा नामांकन व पहचान हेतु 3 अंक)	
2–एन्थ्रोपोस्कोपी	04 अंक
3–मौखिकी––	05 अंक
आन्तरिक परीक्षक द्वारा मूल्यांकन अंक––15	
4–प्रोजेक्ट कार्य––	5+5त्र10 अंक
(क) किसी सामाजिक विषय पर साक्षात्कार	
(ख) किसी सामाजिक विषय पर प्रश्नावली तैयार करना––	
5–प्रायोगिक रिकार्ड बुक––	05 अंक

नोट :––प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रायोगिक रिकार्ड बुक परिषदीय प्रयोगात्मक परीक्षा के समय विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा।

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा

व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा हेतु जो विद्यालय प्रयोगात्मक परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये जायेंगे, उन विद्यालयों के सम्बन्धित विषयों के अध्यापक/प्रधानाचार्य द्वारा आन्तरिक परीक्षक रूप में व्यक्तिगत परीक्षार्थियों को पचास प्रतिशत अंक प्रदान किये जायेंगे, शेष पचास प्रतिशत अंक वाह्य परीक्षक द्वारा देय होंगे।